क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल मध्य प्रदेश
Regional Institute of Education, Bhopal
पुस्तकालय
Library

अध्याय – चतुर्थ

प्रदत्तों का विश्लेषण तथा व्याख्या

क्रमांक	विवरण	पृष्ठ क्रमांक
4.	प्रस्तावना	28
4.1	प्रदत्तों का सारणीयन	28-34
4.2	वैयक्तिक अध्ययन व्याख्या एवं विवेचना	
4.2.1	वैयक्तिक अध्ययन क्रमांक - 1	35-38
4.2.2	वैयक्तिक अध्ययन क्रमांक - 2	39-41
4.2.3	वैयक्तिक अध्ययन क्रमांक - 3	42-44

प्रदत्तों का विश्लेषण तथा व्याख्या

4. प्रस्तावना :

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्यख्या शोध प्रक्रिया के आगमन तथा निगमन तर्क के प्रयोग को व्यक्त करते हैं स्वनिर्मित परिकल्पनाओं की स्वीकृति तथा अस्वीकृति हेतु प्रदत्तों को समूह तथा उपसमूहों में विभाजित कर विश्लेषण तथा अंतिम परिणाम ज्ञात किया जाता हैं जो नवीन सिद्धांत की खोज अथवा सामान्यीकरण रूप में होता हैं प्रदत्तों के विश्लेषण के अंतर्गत उनकी उपलब्धियों की तुलना अनेक परिक्षण द्वारा कर शोध के उद्देश्यों का निर्णय प्राप्त निष्पत्तियो द्वारा किया जाता है प्रदत्तों के विश्लेषण के माध्यम से पूर्व निर्धरित परिकल्पनों को क्रमशःस्वीकृत या अस्वीकृत किया जाता हैं सांखिकीय विधियां विश्लेषण एवं स्पष्टीकरण के मुख्य उद्देश्य को पूरा करती हैं सांखिकीय का उपयोग हम प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या कर उनसे परिणाम प्राप्त करने हेतु करते हैं

विश्लेषण अभ्यास करके उससे परिणाम प्राप्त कर प्रदत्तों की व्याख्या करना शोध का प्रमुख हिस्सा होता हैं. यह अध्ययन का एक बहुत ही उपयोगी एवं महत्वपूर्ण हिस्सा हैं क्योंकि इससे प्रदत्तों का सही उपयोग किया जाता हैं व्याख्या के द्वरा हम एकत्रित प्रद्त्तों का उपयोग विभिन्न क्षेत्रों में कर सकते हैं. सांखिकीय तथ्यों की अपने आप में कोई उपयोगिता नहीं रहती एकत्रित प्रदत्तों की उपयोगिता उसकी सही व्याख्या पर निर्भर होती हैं प्रस्तुत अध्ययन के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए प्रदत्तों को एकत्रित किया गया एवं उनकी व्याख्या की गई

4.1 प्रदत्तों का सारणीयन

सारणीयन प्रदत्तों को क्रमबद्ध,स्पष्ट संक्षिप्त एवं बोधगम्य क्रम प्रदान करता हैं. उसके सांख्यकीय विश्लेषण एवं विवेचन में विशिष्ट सुविधा उपलब्ध हो सकें. कर्लिंगर (१९५४) के अनुसार : "सारणीयन विभिन्न प्रकार के प्रतिउत्तरों की संख्याओं के प्रकारों को उनके उपुक्त संवर्गों में

अभिलेखित किये जाने को ही कहते हैं." संवार्गीकृत सामग्री के सारणियां के पश्चात ही सांख्यकीय विश्लेषण किया जाता हैं. सारणीयन में आंकड़ों को स्तंभों तथा पंक्तियों में इस प्रकार व्यवस्थित किया जाता हैं, की शोध अध्ययन की समस्या में उठाये गए प्रश्नों के समुचित उत्तर उपलब्ध हो सकें. शोध कार्य के उद्देश्यों को पूर्ण करने के लिए बनाई गई परिकल्पनाओं के अनुसार बालकों को प्राप्त प्राप्तांकों के भिन्न-भिन्न समूहों में सारणीबद्ध किया गया जिनका क्रम निम्नानुसार रखा गया. छात्रावासी एवं गैर छात्रावासी विद्यार्थियों के अनुसार स्तंभों एवं पंक्तियों में आंकड़ों का सारणीयन किया गया.

परिकल्पना – 1 एस.ओ.एस. छात्रावासी तथा गैर छात्रावासी विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर नहीं हैं.

तालिका :- 4.1

विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि सम्बंधित प्रदत्त :-

चर	विद्यार्थी	मध्यमान	प्रमाप विचलन	टी – मान	स्वतंत्र अंश	सार्थकता	परिणाम
शैक्षिक उपलब्धि	एस.ओ.एस. विद्यार्थी (छात्रावासी)	210·62	49·99	0·351	27	·00	सार्थक अंतर नहीं हैं.
	एस.ओ.एस.विद्यार्थी (गैर- छात्रावासी)	219·24	54·78				

तालिका क्रमांक 4.1 के द्वारा ज्ञात होता हैं कि एस.ओ.एस. हरमन माइनर विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों में से जो विद्यार्थी छात्रावासी है उनकी शैक्षिक उपलब्धि का मध्यमान 210.62 है. तथा गैर-छात्रावासी विद्यार्थियों कि शैक्षिक उपलब्धि का मध्यमान 219.24 है. तथा टी-मान 0.351 प्राप्त हुआ हैं जो 0.05 स्तर पर सार्थक नहीं है अतः परिकल्पना स्वीकृत की जाती है, इसका तात्पर्य हैं कि एस.ओ.एस. विद्यालय के (छात्रावासी) विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि तथा गैर-छात्रावासी विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर नहीं हैं.

परिकल्पना – 2 एस.ओ.एस. छात्रावासी एवं गैर-छात्रावासी विद्यार्थियों की हिंदी विषय की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर नहीं हैं.

तालिका क्रमांक 4.2

विद्यार्थियों की हिंदी विषय में प्राप्त शैक्षिक उपलब्धि

विषय	विद्यार्थी	मध्यमान	प्रमाप विचलन	टी-मान	सार्थकता	परिणाम
हिंदी	एस.ओ.एस.(छात्रावासी)	51	13·34	19·80	·00	सार्थक अंतर हैं.
	एस.ओ.एस.(गैरछात्रावासी)	57·24	13·24			

तालिका क्रमांक 4.2 का विवरण :-

तालिका क्रमांक 4.2 के अनुसार हिंदी विषय में एस.ओ.एस.छात्रावासी एवं गैर छात्रावासी विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का टी-मान 19.80 प्राप्त हुआ जो 0.05 स्तर पर सार्थक है अतः परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है अतः कहा जा सकता है की इससे स्पष्ट होता है की एस.ओ.एस. छात्रावासी एवं गैर-छात्रावासी विद्यार्थियों की हिंदी भाषा विषय की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर हैं.

परिकल्पना – 3 एस.ओ.एस. छात्रावासी एवं गैर-छात्रावासी विद्यार्थियों की अंग्रेजी विषय की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर नहीं हैं.

तालिका क्रमांक 4.3

विद्यार्थियों की अंग्रेजी विषय में प्राप्त शैक्षिक उपलब्धि :

विषय	विद्यार्थी	मध्यमान	प्रमाप विचलन	टी-मान	सार्थकता	परिणाम
अंग्रेजी	एस.ओ.एस.(छात्रावासी)	52·63	14·13	10·53	·00	सार्थक अंतर हैं.
	एस.ओ.एस.(गैरछात्रावासी)	54·76	14·94			

तालिका क्रमांक 4.3 का विवरण :-

तालिका क्रमांक 4.3 के अनुसार अंग्रेजी विषय में एस.ओ.एस.छात्रावासी एवं गैर छात्रावासी विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का टी-मान 10.53 प्राप्त हुआ जो 0.05 स्तर पर सार्थक है अतः परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है. अतः इससे स्पष्ट होता है की एस.ओ.एस. छात्रावासी एवं गैर-छात्रावासी विद्यार्थियों की अंग्रेजी विषय की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर हैं.

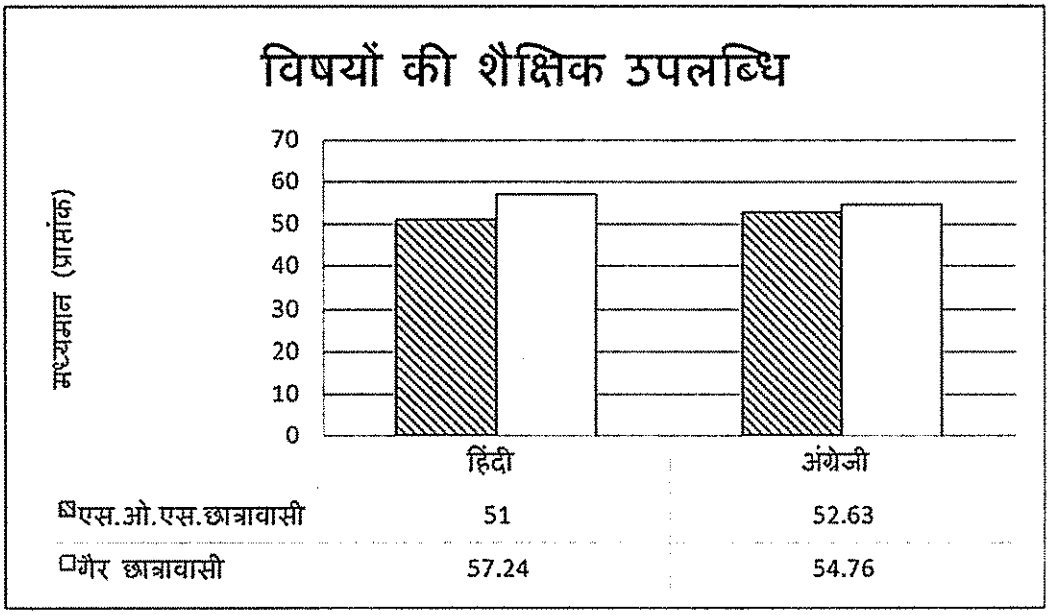

परिकल्पना में विद्यार्थियों की हिंदी एवं अंग्रेजी विषयों में शैक्षिक उपलब्धि का आंकलन करने हेतु परिकल्पना को दो भागों में विभाजित किया गया हैं

- एस.ओ.एस.छात्रावासी एवं गैर छात्रावासी विद्यार्थियों की हिंदी विषय में प्राप्त शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर हैं.
- एस.ओ.एस.छात्रावासी एवं गैर छात्रावासी विद्यार्थियों की अंग्रेजी विषय में प्राप्त शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर हैं.

परिकल्पना - 4

एस.ओ.एस.विद्यालय के छात्रावासी एवं गैर-छात्रावासी विद्यार्थियों के समायोजन में सार्थक अंतर नहीं हैं.

तालिका क्रमांक 4.4

एस.ओ.एस. विद्यार्थियों के समायोजन सम्बंधित प्रदत्तः-

चर	विद्यार्थी	मध्यमान	प्रमाप विचलन	टी-मान	स्वतन्त्र अंश	सार्थकता	परिणाम
समायोजन	एस.ओ.एस छात्रावासी	40.38	16.7	2.60	27	.00	सार्थक अंतर हैं.
	गैर-छात्रावासी	35.09	3.76				

तालिका क्रमांक 4.4 के आधार पर एस.ओ.एस. विद्यालय में छात्रावासी एवं गैर-छात्रावासी विद्यार्थियों के समायोजन का टी-मान 2.60 प्राप्त हुआ जो .05 स्तर पर सार्थक हैं. अतः परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है इसका तात्पर्य हैं की एस.ओ.एस. विद्यालय के छात्रावासी एवं गैर-छात्रावासी विद्यार्थियों के समायोजन में सार्थक अंतर हैं.

परिकल्पना- 5 एस.ओ.एस. विद्यालय के विद्यार्थियों के समायोजन तथा शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक सम्बन्ध नहीं हैं

तालिका क्रमांक 4.5

एस.ओ.एस. विद्यार्थियों के समायोजन तथा शैक्षिक उपलब्धि में सहसंबंध :

चर	विद्यार्थी	सहसंबंध गुणांक	सार्थकता	स्वतन्त्र अंश	परिणाम
शैक्षिक उपलब्धि तथा समायोजन	एस.ओ.एस. विद्यार्थी	0. 22	.00	28	सार्थक सम्बन्ध नहीं है

तालिका के अनुसार एस.ओ.एस. विद्यार्थियों के समायोजन तथा शैक्षिक उपलब्धि का प्राप्त सहसंबंध गुणांक मान 0.22प्राप्त हुआ हैं जो 0.05 स्तर पर सार्थक नहीं हैं क्योंकि स्वतन्त्र अंश 28 पर r का मान 0.36 हैं इसलिए एस.ओ.एस. विद्यार्थियों के समायोजन तथा शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक सम्बन्ध नहीं है परिकल्पना स्वीकृत की जाती है.

<u>परिकल्पना -6</u> : एस.ओ.एस. विद्यालय के गैर-छात्रावासी विद्यार्थियों के समायोजन तथा शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक सम्बन्ध नहीं हैं.

तालिका क्रमांक 4.6

एस.ओ.एस. गैर-छात्रावासी विद्यार्थियों के समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि में सहसंबंध :-

चर	विद्यार्थी	सहसंबंध गुणांक	सार्थकता	परिणाम
शैक्षिक उपलब्धि तथा समायोजन	एस.ओ.एस. गैर छात्रावासी	0·55	·00	सार्थक सम्बन्ध है

तालिका क्रमांक 4.6 के अनुसार एस.ओ.एस. गैर-छात्रावासी विद्यार्थियों के समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि से सम्बंधित सहसंबंध गुणांक 0.55 है जो 0.05 स्तर पर सार्थक है क्योंकि स्वतन्त्र अंश 20 पर r का मान 0.36 है. अतः परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है. इसका तात्पर्य है की एस.ओ.एस. विद्यालय के गैर-छात्रावासी विद्यार्थियों के समायोजन तथा शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक सम्बन्ध हैं.

<u>परिकल्पना</u>-7 एस.ओ.एस. विद्यालय के छात्रावासी विद्यार्थियों के समायोजन तथा शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक सम्बन्ध नहीं हैं

तालिका क्रमांक- 4.7 एस..ओ.एस.छात्रावासी विद्यार्थियों के समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि में सहसंबंध :

चर	विद्यार्थी	सहसंबंध गुणांक	सार्थकता	परिणाम
शैक्षिक उपलब्धि तथा समायोजन	एस.ओ.एस. छात्रावासी	0·47	·00	सार्थक सम्बन्ध नहीं है

तालिका क्रमांक - 4.7 एस..ओ.एस. छात्रावासी विद्यार्थियों के समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि में सम्बंधित सहसंबंध गुणांक 0.47 प्राप्त हुआ है 0.05 स्तर पर r का मान 0.58 हैं अतः परिकल्पना स्वीकृत की जाती है इसका तात्पर्य हैं की एस.ओ.एस. विद्यालय के छात्रावासी विद्यार्थियों के समायोजन तथा शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक सम्बन्ध नहीं हैं

4.2 वैयक्तिक अध्ययन व्याख्या एवं विवेचना:

4.2.1 <u>वैयक्तिक अध्ययन क्रमांक - 1</u>

सामान्य जानकारी:

हर्षिता मेहरा एस.ओ.एस.बालग्राम में जो भोपाल के खजुरी कलां पिपलानी में स्थित है. निवास करती है. उसकी उम्र 11 वर्ष है वर्तमान में कक्षा चौथी में पढ़ रही हैं हर्षिता सामान्य कद की तथा गेहुंए रंग की बालिका है.

पारिवारिक जानकारी:

हर्षिता के पिता खरगोन में खेती करते थे पिता द्वारा दूसरी शादी कर ली गई थी बालिका की माँ का नाम नुरानी हैं जो अनपढ़ हैं माँ खेतों में मजदूरी करती थी घर की आर्थिक स्थिति निम्न थी हर्षिता के पिता का व्यवहार हर्षिता के साथ ठीक नहीं था वे हमेशा हर्षिता के साथ बुरा व्यवहार करते थे और माँ को भी डांटते-पिटते रहते थे माँ का व्यवहार भी हर्षिता के साथ हमेशा अच्छा नहीं रहता था किन्तु पिता के जाने के बाद माँ भी कुछ दिनों बाद हर्षिता को छोड़कर चली गई हर्षिता के अनुसार उसकी दो सौतेली छोटी बहने हैं हर्षिता का अन्य रिश्तेदारों से कोई सम्बन्ध नहीं है.

समस्या का विवरण:

हर्षिता के पिता ने हर्षिता की माँ के रहते दूसरी शादी कर ली उसकी माँ किसी के खेत में मजदूरी का कार्य करने लगी तथा कुछ समय बाद वह भी हर्षिता को छोड़कर चली गई पडौस के लोगों ने हर्षिता को अकेला निसहाय देख कर पुलिस के हाथों में सौंप दिया पुलिस के माध्यम से हर्षिता को एस.ओ.एस. बालग्राम भोपाल भेजा गया.

स्वास्थ्य सम्बन्धी जानकारी:-

हर्षिता की ऊंचाई साढ़े तीन फिट एक इंच है एवं वज़न 23 किलोग्राम है हर्षिता पूर्ण रूप से स्वस्थ है बालिका को कोई गंभीर स्वास्थ्य समस्या नहीं है श्रवण, वाक् तथा दृष्टी क्षमता सामान्य है.

विद्यालयीन विवरण:

हर्षिता वर्त्तमान मे कक्षा चौथी में एस.ओ.एस.बालग्राम के हरमन माइनर विद्यालय में अध्ययनरत है हर्षिता का रुचिकर विषय अंग्रेजी हैं तथा अरुचिकर विषय गणित हैं हर्षिता द्वारा पाठ्य-सहगामी क्रियाओं में रुचिपूर्वक भाग लिया जाता हैं हर्षिता कुछ विद्यार्थियों के साथ झगड़ा करती हैं परन्तु अधिकांश विद्यार्थियों के साथ वह अच्छा व्यवहार रखती हैं अध्यापकों द्वारा उसकी प्रशंसा की जाती है.

विशेष रूचि:

हर्षिता को विशेष रूचि रंगोली तथा खेलकूद है, अन्य समय में वह अपने मित्रों के साथ खेलती है.

विद्यार्थी के व्यवहार सम्बन्धी जानकारी:

हर्षिता शांत, प्रसन्नचित, साहसी, स्थिर-चित्त एवं सहयोगी हैं उसमें विश्वास की कमी है हर्षिता के व्यवहार का ऋणात्मक पक्ष अनाज्ञाकारिता व आलसी प्रवृत्ति की है.

एस.ओ.एस बालग्राम के गैर-शिक्षक कर्मचारियों का विद्यार्थी के प्रति विचार/अभिमत:

एस.ओ.एस. बालग्राम के बच्चों के अनुसार हर्षिता कभी-कभी झगड़ा करती है स्टाफ के सदस्यों के अनुसार वह कहना तो मानती हैं परन्तु दो या तीन बार उसे उस कार्य को करने के लिए बोलना पड़ता है हर्षिता को गलती करने पर डांट पड़ती है.

मनोवैज्ञानिक परिक्षण :

समायोजन परिक्षण से ज्ञात होता है की हर्षिता अपने सहपाठीयों के साथ मिलजुल कर रहती है तथा उसे भी सब पसंद करते है परन्तु कई बार वह चीड़ जाती है और क्रोधित होकर किसी से बात नहीं करती है एस.ओ.एस.पारिवारिक समायोजन में उसे औसत से अधिक,विद्यालय समायोजन में उसे औसत तथा समन्वय समूह समायोजन में औसत अंक प्राप्त हुए है. बुद्धि परिक्षण में उसे औसत श्रेणी में रखा गया है.

एस.ओ.एस. बालग्राम में विद्यार्थी द्वारा किये जाने वाले दैनिक क्रियाकलाप:

संस्था में हर्षिता सप्ताह में अलग-अलग कार्य करती हैं जैसे: साफ-सफाई, रसोई के कार्यों में हाथ बटाना, सब्जी आदि साफ करके देना, बर्तन जमाना, बैठने के लिए दरी बिछाना आदि इसके अलावा प्रार्थना, पढाई-लिखाई करना.

विद्यार्थी का स्वयं की समस्या के प्रति दृष्टिकोण:

हर्षिता के अनुसार उसके पिता ने दूसरी शादी कर ली थी और कुछ समय बाद माँ भी उसे छोड़कर कहीं चली गई लोगों ने उसे यहाँ पहुंचा दिया.

अनुसंधानकर्ता का अवलोकन एवं विश्लेषण:

हर्षिता से बातचीत कर अनुसंधानकर्ता ने पाया की वह एक धेर्यवान लड़की है जो कभी-कभी धेर्य खो देती हैं और क्रोधित हो जाती है. वह क्रियात्मक कार्यों को बहुत शौक से पूरा करती है. पाठ्य-सहगामी क्रियाओं में रूचि लेती है.

निष्कर्ष:

उपरोक्त जानकारी के विश्लेषण के आधार पर निम्न लिखित कारण उसके क्रोधी एवं खराब स्वभाव के हो सकते है.

a) बचपन में समुचित देखभाल की कमी.
b) माता-पिता के कलहपूर्ण सम्बन्ध .
c) उत्तम वातावरण का आभाव.

4.2.2 <u>वैयक्तिक अध्ययन क्रमांक – 2</u>

सामान्य जानकारी:

आदित्य रावत एस.ओ.एस. बालग्राम में जो भोपाल के खजुरी कलां पिपलानी में निवास करता है. उसकी उम्र 12 वर्ष हैं वर्तमान में कक्षा चौथी में पढ़ रहा है. आदित्य रावत सामान्य कद का तथा रंग गेहुंए है.

पारिवारिक जानकारी:

आदित्य रावत को स्वयं सेवी संस्था द्वारा सीहोर बस-स्टैंड से यहाँ लाया गया था, इनके माता-पिता की जानकारी नहीं है.

समस्या का विवरण:

आदित्य रावत को अकेला निसहाय देख कर स्थनीय पुलिस ने स्वयं सेवी संस्था के माध्यम से आदित्य रावत को एस.ओ.एस. बालग्राम भोपाल भेजा गया.

स्वास्थय सम्बन्धी जानकारी:

आदित्य रावत की ऊंचाई साढ़े चार फिट एक इंच हैं एवं वज़न 25 कीलोग्राम है, आदित्य रावत पूर्ण रूप से स्वस्थ हैं बालिका को कोई गंभीर स्वास्थ्य समस्या नहीं है श्रवण, वाक् तथा दृष्टी क्षमता सामान्य है.

विद्यालयीन विवरण:

आदित्य रावत वर्त्तमान मे कक्षा चौथी में एस.ओ.एस.बालग्राम के हरमन माइनर विद्यालय में अध्ययनरत है, आदित्य रावत का रुचिकर विषय हिंदी हैं तथा अरुचिकर विषय गणित हैं

आदित्य रावत द्वारा पाठ्य-सहगाम्री क्रियाओं में रुचिपूर्वक भाग लिया जाता हैं आदित्य रावत कुछ विद्यार्थियों के साथ झगड़ा करता है परन्तु अधिकांश विद्यार्थियों के साथ वह अच्छा व्यवहार रखता है, अध्यापकों द्वारा उसकी प्रशंसा की जाती है.

विशेष रूचि:

आदित्य रावत को विशेष रूचि किताबे पढ़ने तथा खेलकूद है. खाली समय में वह अपने मित्रों के साथ खेलता है.

विद्यार्थी के व्यवहार सम्बन्धी जानकारी:

आदित्य रावत शांत, प्रसन्नचित, साहसी, स्थिर-चित्त एवं सहयोगी है तथा उसमें विश्वास की कमी है, आदित्य रावत के व्यवहार का ऋणात्मक पक्ष अनाज्ञाकारिता हैं एवं वह झूठ बोलने की प्रवृत्ति रखता है.

एस.ओ.एस. बालग्राम के गैर-शिक्षक कर्मचारियों का विद्यार्थी के प्रति विचार/अभिमत:

एस.ओ.एस. बालग्राम के गैर-शिक्षक कर्मचारियों के अनुसार आदित्य रावत कभी कभार ही झगड़ा करता है, स्टाफ के सदस्यों के अनुसार वह कहना तो मानता है परन्तु दो या तीन बार उसे उस कार्य को करने के लिए बोलना पड़ता है आदित्य रावत को गलती करने पर कभी-कभी डांट पड़ती हैं.

मनोवैज्ञानिक परिक्षण :

समायोजन परिक्षण से ज्ञात होता हैं की आदित्य रावत अपने सहपाठीयों के साथ मिलजुल कर रहता है तथा उसे भी सब पसंद करते हैं परन्तु कई बार वह चीड़ जाती है और क्रोधित होकर किसी से बात नहीं करता है. एस.ओ.एस. पारिवारिक समायोजन में उसे औसत से

अधिक, विद्यालय समायोजन में उसे औसत तथा समन्वय समूह समायोजन में औसत अंक प्राप्त हुए है. बुद्धि परिक्षण में उसे औसत श्रेणी में रखा गया है.

एस.ओ.एस. बालग्राम में विद्यार्थी द्वारा किये जाने वाले दैनिक क्रियाकलाप:

संस्था में आदित्य रावत सप्ताह में अलग-अलग कार्य करती है जैसे: साफ-सफाई, रसोई के कार्यों में हाथ बटाना, बैठने के लिए दरी बिछाना आदि इसके अलावा प्रार्थना, पढाई-लिखाई करना.

विद्यार्थी का स्वयं की समस्या के प्रति दृष्टिकोण:

आदित्य रावत के अनुसार उसे अपने परिवार की कोई जानकारी नहीं है. वह केवल यह जानता है की वह सिहोर बस-स्टैंड में भीख माँगा करता था व चाय की दुकान पर बर्तन साफ़ किया करता था.

अनुसंधानकर्ता का अवलोकन एवं विश्लेषण:

आदित्य रावत से बातचीत कर अनुसंधानकर्ता ने पाया की वह एक मेहनती व साहसी लड़का हैं, और जल्द ही धेर्य नहीं खोता है और जल्दी क्रोधित नहीं होता है. वह क्रियात्मक कार्यों को बहुत शौक से पूरा करता है व पाठ्य-सहगामी क्रियाओं में भरपूर रूचि लेता है.

निष्कर्ष:

उपरोक्त जानकारी के विश्लेषण के आधार पर निम्न लिखित कारण उसके खराब स्वभाव के हो सकते हैं

a) बचपन में समुचित देखभाल की कमी.
b) उत्तम वातावरण का आभाव.

4.2.3 <u>वैयक्तिक अध्ययन क्रमांक - 3</u>

सामान्य जानकारी:

नाज़िया एस.ओ.एस. बालग्राम में जो भोपाल के खजुरी कलां पिपलानी में स्थित है. निवास करती हैं. उसकी उम्र 11 वर्ष है वर्तमान में कक्षा चौथी में पढ़ रही है. नाज़िया सामान्य कद की है तथा गेहुंए रंग की बालिका है.

पारिवारिक जानकारी:

नाज़िया के पिता खरगोन मजदूरी करते थे व मानसिक बीमारी के शिकार थे तथा माँ द्वारा दूसरी शादी कर ली गई थी. अत्यधिक गरीबी के कारण नाज़िया को कोई पालने वाला नहीं था इस कारण समाज के लोगों ने नाज़िया को एस.ओ.एस बालग्राम दाखिला करा दिया, जो यहाँ अपने नए परिवार के साथ रह रही है.

समस्या का विवरण:

पिता की गरीबी, बीमारी व लाचारी के कारण व माँ द्वारा दूसरी शादी कर लेने से नाज़िया असहाय हो गई जिसे समाज के बड़े-बुजुर्गो द्वारा पंचायत कर एस.ओ.एस. बालग्राम भोपाल भेजा गया.

स्वास्थय सम्बन्धी जानकारी:

नाज़िया की ऊंचाई साढ़े तीन फिट है एवं वज़न २५ किलोग्राम है नाज़िया पूर्ण रूप से स्वस्थ है बालिका को कोई गंभीर स्वास्थ्य समस्या नहीं है श्रवण, वाक् तथा दृष्टी क्षमता सामान्य है.

विद्यालयीन विवरण:

नाज़िया वर्त्तमान मे कक्षा चौथी में एस.ओ.एस. बालग्राम के हरमन माइनर विद्यालय में अध्ययनरत हैं नाज़िया का रुचिकर विषय हिंदी हैं तथा अरुचिकर विषय गणित हैं. नाज़िया द्वारा पाठ्य-सहगामी क्रियाओं में रुचिपूर्वक भाग लिया जाता है, परन्तु सभी विद्यार्थियों के साथ वह अच्छा व्यवहार रखती हैं अध्यापकों द्वारा उसकी प्रशंसा की जाती है.

विशेष रूचि:

नाज़िया को विशेष रूचि मेहंदी बनाने में हैं तथा सिलाई का काम करती हैं खाली समय में वह अपने मित्रों के साथ खेलती हैं

विद्यार्थी के व्यवहार सम्बन्धी जानकारी:

नाज़िया शांत, प्रसन्नचित, साहसी एवं सहयोगी है लेकिन उसमें विश्वास की कमी है, नाज़िया के व्यवहार का ऋणात्मक पक्ष सिखने पढ़ने में समय ज्यादा लगाती है.

एस.ओ.एस बालग्राम के गैर-शिक्षक कर्मचारियों का विद्यार्थी के प्रति विचार/अभिमत:

एस.ओ.एस. बालग्राम के गैर-शिक्षक कर्मचारियों के अनुसार नाज़िया मृदुभाषी है स्टाफ के सदस्यों के अनुसार वह सबका कहना मानती है परन्तु दो या तीन बार उसे उस कार्य को करने के लिए बोलना पड़ता है नाज़िया को गलती करने पर उसे प्यार से समझाया जाता हैं

मनोवैज्ञानिक परिक्षण :

समायोजन परिक्षण से ज्ञात होता है की नाज़िया अपने सहपाठीयों के साथ मिलजुल कर रहती है तथा उसे भी सब पसंद करते है. एस.ओ.एस.पारिवारिक समायोजन में उसे औसत

से अधिक, विद्यालय समायोजन में उसे औसत/तथा समन्वय समूह समायोजन में औसत अंक प्राप्त हुए है. बुद्धि परिक्षण में उसे औसत श्रेणी में रखा गया है.

एस.ओ.एस. बालग्राम में विद्यार्थी द्वारा किये जाने वाले दैनिक क्रियाकलाप:

संस्था में नाज़िया सप्ताह में अलग-अलग कार्य करती है जैसे: साफ-सफाई, रसोई के कार्यों में हाथ बटाना, सब्जी आदि साफ करके देना, बर्तन जमाना, बैठने के लिए दरी बिछाना आदि इसके अलावा प्रार्थना,पढाई-लिखाई करना.

विद्यार्थी का स्वयं की समस्या के प्रति दृष्टिकोण:

नाज़िया के अनुसार उसके पिता बीमार व गरीब हैं व उसकी माँ ने दूसरी शादी कर ली थी. और कुछ समय बाद पिता भी उसे छोड़कर कहीं चले गए समाज के लोगों ने उसे यहाँ पहुंचा दिया.

अनुसंधानकर्ता का अवलोकन एवं विश्लेषण:

नाज़िया से बातचीत कर अनुसंधानकर्ता ने पाया की वह एक समझदार लड़की है, क्रियात्मक कार्यों के प्रति ज्यादा रूचि लेती है एवं पाठ्य-सहगामी क्रियाओं में रूचि लेती हैं.

निष्कर्ष:

उपरोक्त जानकारी के विश्लेषण के आधार पर निम्न लिखित कारक उसके क्रोधी एवं खराब स्वभाव के हो सकते हैं

a) बचपन में समुचित देखभाल की कमी.
b) माता-पिता के कलहपूर्ण सम्बन्ध.
c) पारिवारिक आर्थिक तंगहाली व पिता की बीमारी.
d) उत्तम वातावरण का आभाव.